वर्ष 2013–14 के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां

मात्स्यिकी विभाग हिमाचल प्रदेश

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- इस वर्ष राज्य में विद्यमान सभी जल स्त्रोतों से मु0 8057.79 लाख रूपये की 9834.14 टन मछली का उत्पादन किया गया।

- विभागीय ट्राऊट फार्मों से इस वर्ष 28.45 लाख रूपये कीमत की 12.93 मीट्रिक टन खाने योग्य ट्राऊट का उत्पादन किया गया है, जिससे विभाग को विभागीय ट्राऊट फार्मो से 115.41 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। इस वर्ष निजी क्षेत्र में भी मु0 485.23 लाख रूपये कीमत की 220.56 मीट्रिक टन ट्राऊट मछली का उत्पादन किया गया है। प्रदेश में रेनबो ट्राऊट के सफलतापूर्वक प्रजनन के परिणामस्वरूप न केवल कुल्लू जिला अपितु शिमला, मण्डी, कांगड़ा व चम्बा जिलों में भी निजी क्षेत्र में इकाईयों की स्थापना की गई है।

- राज्य में कार्प मछली उत्पादन को बढ़ावा देने की दृष्टि से अमूर कॉमन कार्प मछली के बीज का आयात किया गया था जिसका इस वर्ष भी सफलतापूर्वक प्रजनन करवा लिया गया है। प्रदेश के निचले क्षेत्रों में कार्प उत्पादन को इससे बहुत बढ़ावा मिलेगा।

- इस वर्ष विभाग द्वारा सभी संसाधनों से 255.28 लाख रूपये का राजस्व अर्जित किया है जोकि निर्धारित लक्ष्य (154.55) से 100.73 लाख रूपये अधिक है।

- राज्य के प्रमुख जलाशयों में इस वर्ष 4975 (गोविन्दसागर 2372, पौंगडैम 2455, चमेरा 120 व रणजीत सागर 28) माहीगीरों को पूर्णकालीन स्वरोजगार उपलब्ध करवाया गया।

इन माहीगीरों द्वारा 13.01 करोड़ रूपये मूल्य की 1830.222 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन किया गया है, जिससे मछुआरों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हुई है।

- विभागीय कार्प फार्मों से वर्ष 2013–14 में 222.126 लाख मत्स्य बीज का उत्पादन किया गया है।

- राज्य में मत्स्य आखेट की गतिविधियों में कार्यरत 11,100 माहीगीरों को निःशुल्क जीवन सुरक्षा निधि के अन्तर्गत लाया गया है जिसके अन्तर्गत उनके आश्रितों को मत्स्य आखेट के दौरान मृत्यु होने की दशा में 1,00,000/–रूपये तथा अपंगता की दशा में 50,000/–रूपये प्रदान किये जाने का प्रावधान किया गया है ।

- इस वर्ष 4090 सक्रिय जलाशय माहीगीरों को बन्द आखेट मत्स्य सीजन के दौरान मु0 32.72 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

- जलाशयों में कार्यरत माहीगीरों को प्राकृतिक आपदाओं के कारण मत्स्य आखेट उपकरणों को होने वाले नुकसान की भरपाई हेतु सभी मछुआरों को ''जोखिम निधि योजना'' के अन्तर्गत लाया गया है। इस वर्ष इस योजना के अन्तर्गत 4771 माहीगीरों ने 20/–रूपये की दर से इस कोष में कुल 95,420/–रूपये एकत्रित किए।

- मत्स्य पालन को राज्य में बढ़ावा देने तथा स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत 2417 नए रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं।

- मत्स्य कृषक विकास अभिकरण के अन्तर्गत 19.21 हैक्टेयर नए क्षेत्रों को जलचर पालन के अन्तर्गत लाया गया है और 11.50 हैक्टेयर पुराने तालाबों का सुधार किया गया।

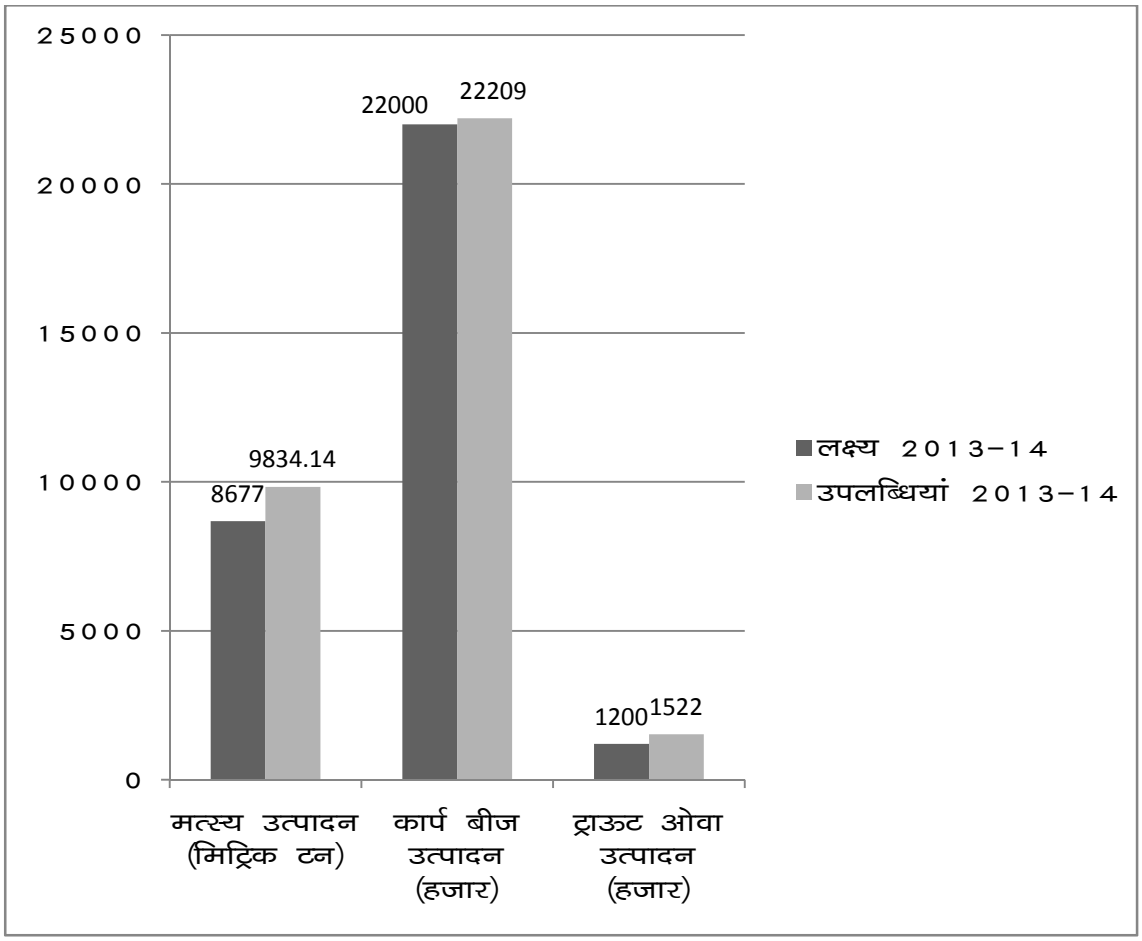
25000
20000
15000
10000
5000
0
22000
22209
9834.14
8677
1200
1522
लक्ष्य 2013–14
उपलब्धियां 2013–14
मत्स्य उत्पादन (मिट्रिक टन)
कार्प बीज उत्पादन (हजार)
ट्राऊट ओवा उत्पादन (हजार)